सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 72 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 16 अप्रैल, 2025

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उन्हें नुकसान न पहुंचाएं।

-दलाई लामा

दिल्ली-राजस्थान की होगी वापसी... 7 | अन्नामलाई : तमिलनाडु में बदलेगी... 3 | चंबल की पहाड़ियों को अवैध खनन... 2

ऑपरेशन गुजरात शुरू करते ही टूटा राहुल गांधी पर मुसीबतों का पहाड़

कांग्रेस बोली- बीजेपी घबराई तो ईडी की कार्रवाई

- सभी ईडी मुख्यालायों पर धरना, विपक्ष को नेस्तानाबूद करना चाहती है भारतीय जनता पार्टी
- बिहार, बंगाल और गुजरात में होना है विधानसभा चुनाव
- पश्चिम बंगाल में उगा नहीं, गुजरात में डूबा नहीं बीजेपी का सूरज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी के गुजरात दौरे की ठीक से शुरूआत भी नहीं हो पायी थी कि खबर आ गयी कि ईडी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के खिलाफ नेशनल हेरल्ड मामले में आरोपपत्र दाखिल किया है। कांग्रेस इस करिवाई को बदले की कार्रवाई बता रही है।

देश भर के तमाम कांग्रेसी नेताओं ने कहा है कि बीजेपी राहुल गांधी के गुजरात दौरे से घबरा गयी है और उन्हें डराने के मकसद से उनका नाम शामिल किया गया है। कांग्रेस इस लड़ाई को आर—पार की लड़ाई बना कर देश भर में यह मैसेज देना चाहती है कि बीजेपी तमाम विपक्षी नेताओं के उपर ईडी की कार्रवाई उन्हें डारने के लिए कर रही है। कांग्रेस ने ईडी की कार्रवाई के खिलाफ बड़ा आंदोलन करने का एलान किया है। कांग्रेस आज देशभर के ईडी दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन करेगी।

राहुल गांधी ने ईडी को लताड़ा

इस पूरे प्रकरण की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने 9 अप्रैल को दाखिल आरोप-पत्र के महत्वपूर्ण प्वाइंट्स पर पड़ताल की और सुनवाई की अगली तारीख 25 अप्रैल निर्धारित की है। इस प्रकरण पर कांग्रेस पार्टी आक्रामक मूड में हैं। राहुल गांधी ने कहा है कि मैं डरा नहीं हूं मैं भागूंगा नहीं। ये लोग मेरे खिलाफ केस कर लें जेल भेज दें मुझे फर्क नहीं पड़ता। लेकिन मैं लोकतंत्र और संविधान की लड़ाई से पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने इसे मोदी सरकार की रणनीति बताया जिसका मकसद विपक्ष को डराना और बदनाम करना है। उन्होंने कहा है वक्त बदलने पर चीजें बदल जाएगी और इस बार जब सत्ता बदलेगी तो फिर ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि कोई संस्था किसी को परेशान न कर सके।

क्या है नेशनल हेरल्ड मामला

नेशनल हेराल्ड एक समाचार पत्र था जिसे पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आज़ादी के आंदोलन के दौरान शुरू किया था। इस अखबार को चलाने वाली कंपनी का नाम एसोसिएटेड जरलन लिमिटेड कंपनी था। कांग्रेस ने इस कंपनी का कर्ज माफ कर दिया और यंग इंडियन प्राइवेट लि. नाम की कंपनी को फंड ट्रांसफर कर दिया। इस कंपनी में राहुल और सोनिया की हिस्सेदारी 76प्रतिशत फीसदी थी। ईडी का आरोप है कि यह मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है यानी राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर संपत्ति को गैरकानूनी रूप से ट्रांसफर किया गया।

ईडी दफ्तरों पर कांग्रेस का प्रर्दशन

कांग्रेस आज पूरे देश में जहां जहां ईडी के दफ्तर है वहां धरना प्रर्दशन करेगी। प्रशासन ने ईडी दफ्तरों की सुरक्षा व्यवस्था को बड़ा दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने कहा है कि भाजपा कांग्रेस को डराना चाहती है और कांग्रेस को खत्म करना चाहती है। राशिद अल्वी ने कहा कि भाजपा बदले की भावना से काम कर रही है।

देश का बच्चा-बच्चा जानता है कि ईडी, सीबीआई केंद्र सरकार के इशारों पर काम कर रही है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि कांग्रेस बीजेपी की ईंट से ईंट बजा देगी। बीजेपी गांधी परिवार को बदनाम कर रही है। उनहोंने कहा कि ईडी के खिलाफ कांग्रेस जर्बदस्त प्रर्दशन करेगी और गिरफ्तारियां देगी।

देश के कई राज्यों में होने हैं विधानसभा चुनाव

देश के कई राज्यों में चुनाव होना हैं। जिनमें पश्चिम बंगाल, गुजरात और बिहार है। बीजेपी पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को हटा कर वहां अपनी सरकार बनाना चाहती है तो गुजरात में किसी भी कीमत पर अपनी सरकार को बचाये रखना चाहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जैसे ही गुजरात की धरती पर कदम रखा वैसे ही उन पर ईडी की कार्रवाई की खबर आ गयी। कांग्रेस इस पूरी कार्रवाई को गुजरात चुनाव से जोड़कर देख रही है। सदन में भी राहुल गांधी ने गुजरात चुनाव को जीतने का दावा किया था। इसके लिए उन्होंने इस बार अलग रणनीति बनाई है।

कानून अपना काम कर रहा है और फिर भी वे इसे प्रतिशोध कह रहे : रविशंकर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रविशंकर प्रसाद ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले में राजनीतिक प्रतिशोध के कांग्रेस पार्टी के आरोप को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं और कथित तौर पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय दोनों से संपर्क करने के बावजूद अदालतों से राहत पाने में विफल रहे हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सोनिया जी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने पूरी कार्यवाही को रद्द करवाने के लिए हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। उन्हें बस इतनी राहत मिली कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने की ज़रूरत नहीं है। भाजपा सांसद ने दावा किया

कि यह मामला चार साल से चल रहा है और वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हैं। कानून अपना काम कर रहा है और फिर भी वे इसे प्रतिशोध कह रहे हैं। भाजपा ने तीखा पलटवार करते हुए गांधी परिवार पर ऐतिहासिक अखबार को निजी एटीएम में बदलने का आरोप लगाया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह सिर्फ विरोध का मामला नहीं है, यह एक कवर-अप है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उसे सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग करने और उन्हें नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। प्रसाद ने विस्तृत हमला करते हुए आरोप लगाया कि यंग इंडिया लिमिटेड के माध्यम से दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग से लेकर मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना तक देश भर में मूल्यवान सार्वजनिक संपत्तियों को गांधी परिवार के हाथों में सौंपने के लिए एक कॉर्पोरेट साजिश रची गई थी। यंग इंडिया को एक धर्मार्थ संगठन माना जाता था। लेकिन इसने कौन सा दान किया है? उन्होंने 50 लाख रुपये में 90 करोड़ रुपये लिख दिए और हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की, प्रसाद ने आरोप लगाया, इसे सफेदपोश अपराध का एक पाठ्यपुस्तक मामला कहा।

चंबल की पहाड़ियों को अवैध खनन से बर्बाद किया जा रहा: अखिलेश यादव

» योगी सरकार पर सपा प्रमुख का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को इटावा में सुमेर सिंह किले के पास चंबल के बीहड़ों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन और पर्यावरण विनाश का आरोप लगाया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत के जरिए पूरी पहाड़ी का अस्तित्व मिटाने में मदद करने का आरोप लगाया।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखे गए पोस्ट में सवाल उठाया कि इटावा में सुमेर सिंह किले के पास वाले बड़े-छोटे पहाड़ क्या बड़े-छोटे अधिकारी के साथ ही बस्ती-गोरखपुर की तरफ 'ट्रांसफर' कर दिये गये हैं?उन्होंने एक वीडियो क्लिप साझा की जिसमें उस जगह पर अब आंशिक रूप से समतल परिदृश्य दिख रहा है, जहां कभी पहाड़ियां हुआ करती थीं। उन्होंने कहा अधिकारी तो नये आ जाएंगे लेकिन भ्रष्टाचार के फावड़े से काटकर गुम कर दिया गया और मिलीभगत से काट-बांटकर गायब कर दिया गया चंबल के बीहड़ का पहाड़ कैसे वापस आएगा।

हम डरने वाले नहीं हैं, आगरा जाएंगे

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार के खिलाफ हुंकार भरी है। उन्होंने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था जीरो है। उद्योगपति डरे हुए हैं। वह सरकार से सवाल नहीं कर सकते हैं। वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी सिर्फ एक सपना है। अखिलेश यादव आगरा में करणी सेना के प्रदर्शन और सपा नेताओं को धमकी देने के सवाल पर जवाब दे रहे थे।

डरपोक लोगों ने रखें हैं एनएसजी

उन्होंने कहा कि जो डरपोक है वह एनएसजी रखे हैं। मुझे एनएसजी वापस हटने कोई मलाल नहीं। हम लोग महाराजाओं के खिलाफ नहीं है। राजा की कोई जाति नहीं होती है। हम आगरा जाएंगे। हम डरने वाले नहीं है। दिल्ली वाले लखनऊ वालों को चकमा देने में लगे हैं। अब चलाचली की बेला है तो डंडे की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपने कार्यकर्ताओं से कहूंगा कि सोशल मीडिया पर कुछ न लिखें।

अगला डीजीपी कार्यवाहक या फिर सिंह होगा

अखिलेश यादव ने कहा कि एक अहम विभाग (गृह) में अगला अधिकारी (डीजीपी) कार्यवाहक व सिंह होगा। यह तय है।

सपा बूथ पर रखेगी पांच सक्रिय कार्यकर्ता

सपा ने आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत एक बूथ पर पांच सक्रिय यूथ तैनात करने की योजना बनाई है। इसके लिए हर जिले में अभियान चलाया जाएगा। हाईकमान की ओर से सभी जिला व शहर कमेटियों को ये निर्देश दे दिए गए हैं। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव के नतीजों को आगामी विधानसभा चुनाव में भी दोहराने की रणनीति पर काम कर रही है। लोकसभा चुनाव में सपा यूपी की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी जिला व शहर अध्यक्षों को कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने पर ध्यान दें। हर बूथ पर न्यूनतम पांच युवाओं को पार्टी की लोहियावादी विचारधारा से लैस किया जाए। उन्हें मतदाता सूची की बारीकियों से अवगत कराया जाए। मतदाता सूची में नाम गलत ढंग से जोड़े या काटे जाने पर ये युवा तत्काल शहर व जिला कमेटियों को इसकी जानकारी दें। तत्काल प्रदेश नेतृत्व के साथ भी उस जानकारी को साझा किया जाए। गोपनीय जांच में जिन बूथों पर अच्छा काम मिलेगा, उन पर काम करने वाले युवाओं से अखिलेश यादव समेत पार्टी के सभी वरिष्ठ प्रमुख नेता सीधे बातचीत भी करेंगे। भविष्य में इन युवाओं को ही पार्टी संगठन में आगे बढ़ाया जाएगा। पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि जिला व शहर कमेटी के पदाधिकारी उसी स्थिति में अपने पद पर बने रहेंगे, जब वे बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे।

एकता और वोटों से हासिल करें सत्ता की मास्टर चाबी: मायावती

» बसपा प्रमुख ने बाबा साहब को किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं को संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के जानमाल व मजहब की सुरक्षा की सांविधानिक गारंटी पर खतरा बड़ा है। इससे देश में विकास का माहौल बनाने का नहीं, बल्कि उसको बिगाड़ने वाला तनावपूर्ण माहौल है। कुछ लोगों को छो? सभी त्रस्त हैं।

मायावती ने कहा कि बहुजन समाज को जातिवादी व धन्नासेठ समर्थक विरोधी पार्टियों की साजिश व हवाई दावों और वादों से बचकर चुनावों में अपना खुद उद्धार करने योग्य बनना होगा। बहुजनों की आपसी एकता व वोटों के जरिये सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने के लिए विरोधियों के सभी हथकंडों को भी विफल करना होगा। लखनऊ और नोएडा में आंबेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में बसपा समर्थक अपने परिवार के साथ शामिल हुए। लखनऊ मंडल के लोगों ने आंबेडकर स्मारक स्थल और पश्चिमी यूपी के मेरठ मंडल के लोगों ने नोएडा स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रदेश के बाकी 16 मंडलों में पार्टी ने जिलास्तर पर विचार गोष्ठियों का आयोजन किया।

जनता से वादाखिलाफी कर रही हरियाणा सरकार: हुड्डा

» पूर्व सीएम बोले- प्रदेश को निराशा हाथ लगी, पीएम ने कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक (हरियाणा)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रदेश को किसी बड़े व नए प्रोजेक्ट की उम्मीद थी, लेकिन निराशा हाथ लगी है। क्योंकि हिसार एयरपोर्ट व यमुनानगर का 800 मेगावाट बिजली संयंत्र मिलने में 11 साल की देरी हुई है।

हुड्डा ने कहा कि 11 साल पहले हिसार में हवाई अड्डा बनाना तय हुआ था, उस समय चौधरी अजीत सिंह केंद्र में उड्डयन मंत्री थे और वे प्रदेश में मुख्यमंत्री थे। इसी तरह यमुनानगर में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जब उन्होंने बिजली संयंत्र बनाया, उसी समय एक और 800 मेगावाट बिजली संयंत्र का प्रस्ताव पास हो गया था। इतना ही नहीं, भाजपा नेता हिसार में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने की बात कहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों के साथ गलत हो रहा है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग नौकरियां नहीं दे पा रहा है। अभी हाईकोर्ट ने आयोग पर जुर्माना लगाया है। महिलाओं को 2100 रुपये सम्मान राशि देने की कोई चर्चा नहीं की जा रही है। पंजाब में नेता प्रताप सिंह बाजवां के खिलाफ केस दर्ज होने पर हुड्डा ने कहा कि यह राजनीति से प्रेरित होकर कार्रवाई की गई है। जबकि बजवां ने जो सवाल उठाए हैं, उनका जवाब नहीं दिया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर को जल्द मिलेगा राज्य का दर्जा: अब्दुल्ला

» सीएम बोले - वक्फ बिल पर अदालत के निर्णय का इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पुलवामा जिले में एक पुल का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा मिलेगा। कहा कि अब समय आ गया है। विधानसभा चुनावों को छह महीने हो गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यहां आए थे और मैंने उनसे एक अच्छी बैठक भी की थी। मैं अभी भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस मिलने की उम्मीद करता हूं। वक्फ संशोधन विधेयक पर विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उमर अब्दुल्ल ने कहा कि संसद में पारित बिल विधानसभा में चर्चा के लिए नहीं था। अंतिम दिन, विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो सिर्फ राज्य सरकार के मामलों पर लागू होता है क्योंकि सरकार को जवाब देना होगा। लेकिन राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं थी, क्योंकि यह बिल केंद्र द्वारा संसद में पारित हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष अलग नियमों में प्रस्ताव दे सकता था।

अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है, जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस सहित कई दलों ने अपनी बात रखी है। अब देखना है कि अदालत क्या कहती है। पुल के उद्घाटन पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पुल बनने में 11 साल लग गए, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। 2014 की बाढ़ में यह पुल बह गया था। 2014 की बाढ़ ने इस पुल को बर्बाद कर दिया, जिसे बनाने में 11 वर्ष लगे। यह पुल चार-ए-शरीफ को दक्षिण कश्मीर से जोड़ता है। शायद इसकी किस्मत में था कि इसका उद्घाटन हम ही करें।

हमारा गठबंधन सबसे बेहतर विपक्ष डरा हुआ है: ललन सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुजफ्फरपुर जिले में एनडीए गठबंधन के नेताओं की बैठक में जदयू नेता व केंद्रीय मंत्री ललन सिंह शामिल हुए। बैठक में ललन सिंह के अलावा बिहार सरकार में मंत्री संजय झा, नितिन नवीन और कई दूसरे नेता मौजूद रहे।

ललन सिंह ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी की ताकत देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के लोग भी देखें हैं। हम दुनिया में सबसे बड़े और विश्वसनीय उभरते हुए अर्थव्यवस्था में से एक हैं। हमने कई क्षेत्रों में आर्थिक रूप से प्रगति हासिल की है। हमारे गठबंधन ने सबसे ज्यादा और बेहतर काम किया है। इस काम से विपक्षी दलों के लोगों को परेशानी हो रही है। बिहार सरकार में मंत्री और भाजपा के नेता नितिन नवीन ने कहा है कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी की मिथिला की धरती पर रैली होनी है। बिहार को कई सौगात मिलेगी और बिहार को जिस प्रकार से सौगात मिल रही है, इससे विपक्ष को तकलीफ हो रही है। हम 12 महीने काम करने वाले लोग हैं और काम करते रहेंगे। बिहार में भी हमारी सरकार बनने जा रही है और इसमें इसके लिए पूरी तैयार है।

» एनडीए नेताओं की बैठक में बोले केंद्रीय मंत्री

अन्नामलाई : तमिलनाडु में बदलेगी सियासत !

अमित शाह ने चेन्नई पहुंचकर संभाली कमान

» नए अध्यक्ष से भाजपा को उम्मीद

» एआईडीएमके व भाजपा में गठबंधन, विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। पंजाब और तमिलनाडु जहां कांग्रेस अपने सहयोगियों के साथ मिलकर आगामी होने वाले चुनावों की तैयारी में जुटने को तैयार हैं वहीं भाजपा भी कमरे कसने में लग गई हैं। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में भाजपा-एआईडीएमके में दोबारा गठबंधन हो गया है। ऐसी चर्चा हैं कि वह दोनों मिलकर विधान सभाव चुनावा लड़ेंगे। गत दिनों केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चेन्नई पहुंचे और इसपर मुहर लग दी गई।

इससे पहले अन्नामलाई की जगह प्रदेश भाजपा की कमान विधानसभा में पार्टी के नेता सदन नागेंद्रन तिरुनेलवेली को सौंपना तय हो गया। अन्नामलाई को एआईएडीएमके के एनडीए में वापसी में सबसे बड़ा बाधा माना जा रहा था। यह गठबंधन 2026 के लिए हुआ है। बीजेपी और उसके पुराने सहयोगी अन्नाद्रमुक में गठबंधन की अटकलों पर विराम लग गया है और इसकी औपचारिक घोषणा कर दी गई है। इससे पहले शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जब एक दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु पहुंचे थे, तभी यह साफ हो गया था कि गठबंधन की घोषणा कभी भी हो सकती है। उनका यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब के अन्नामलाई की जगह प्रदेश भाजपा को नैनार नागेंद्रन के रूप में नया अध्यक्ष मिलना तय हो गया है। एआईडीएमके और बीजेपी के बीच गठबंधन में सबसे बड़ी बाधा पूर्व आईपीएस अन्नामलाई को ही माना जाता रहा है।

तमिलनाडु की पूर्व सीएम जयललिता का पार्टी फिर से एनडीए का हिस्सा

बीजेपी और एआईएडीएमके के बीच फिर से गठबंधन होने की चर्चा पर औपचारिक तौर पर विराम लग गया। दोनों दल फिर से एक साथ आने पर सहमत हो गए हैं। पिछले महीने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक के चीफ ईके पलानीस्वामी (ईपीएस) अमित शाह से मिलने दिल्ली आए थे। इसके बाद से ही इन संभावनाओं को बल मिला था कि तमिलनाडु की पूर्व सीएम जयललिता का पार्टी फिर से एनडीए का हिस्सा बन सकती है।

जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने की भी कोशिश

नागेंद्रन तिरुनेलवेली के एक प्रमुख थेवर नेता हैं और सूत्रों का भी कहना है कि वे केंद्रीय नेतृत्व के भी पसंद हैं। वहीं अन्नामलाई और पलानीस्वामी दोनों ही गौंडर समाज से आते हैं, जिनका पश्चिमी कोंगु इलाके में काफी प्रभाव है। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी अन्नामलाई के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता निकालकर गठबंधन के लिए कोई ठोस समीकरण बनाने को प्राथमिकता दे रही है। तमिलनाडु की राजनीति में इन दोनों बदलावों से साफ हो गया कि अमित शाह की चेन्नई में मौजूदगी के क्या मायने थे।

अन्नामलाई खुद ही पद छोड़ने का दे चुके थे संकेत

उसी के बाद से कहीं न कहीं दोनों ही दलों की ओर से इस तरह के संकेत मिलने शुरू हो गए कि एक बार फिर से साथ आने का प्रयोग किया जा सकता है। पिछले साल दिसंबर में विदेश से पढ़ाई करके लौटने के बाद इसको लेकर अन्नामलाई ने भी अपना सुर नरम कर लिया था।जहां तक भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष की बात है तो हाल ही में अन्नामलाई खेहुद ही कह चुके थे कि उनकी प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में दिलचस्पी नहीं है और वह एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह कार्य करना चाहते हैं।

नैनार नागेंद्रन के प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष चुने गए

अन्नामलाई की जगह अब प्रदेश में नैनार नागेंद्रन के बीजेपी के नए अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। क्योंकि, इसके लिए उन्होंने ही एकमात्र नामांकन डाला था। वे प्रदेश विधानसभा में पार्टी के सदन के नेता हैं। वैसे बीजेपी के अंदर के लोगों का कहना है कि अन्नामलाई की जगह नागेंद्रन को कमान सौंपने के पीछे मूल रूप से राज्य का जातीय और क्षेत्रीय समीकरण है।

लोकसभा चुनाव से पहले टूटा था गठबंधन

दोनों दलों के बीच खटास तब से पैदा हुई थी, जब प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई ने एआईएडीएके के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। इसकी वजह से आखिरकार लोकसभा चुनाव से पहले गठबंधन टूट गया। हालांकि, अन्नामलाई के करिश्माई नेतृत्व का बीजेपी को वोट शेयर के रूप में बड़ा फायदा भी मिला, लेकिन वह सीटों में तब्दील नहीं हो सका।

2021 में गठबंधन का कुल वोट शेयर 36 प्रतिशत

2021 के तमिलनाड विधानसभा चुनाव में बीजेपी और एआईएडीएमके गठबंधन का कुल वोट शेयर 36प्रतिशत के लगभग था। वहीं,विरोधी डीएमके का वोट शेयर 37.7प्रतिशत था। जबकि, 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी अकेले लड़कर 11.38प्रतिशत वोट शेयर तक जरूर पहुंची थी,लेकिन उसे एक भी सीट नहीं प्राप्त हुई थी। वहीं एआईएडीएमके भी 20.66प्रतिशत वोट लेकर भी खाली हाथ रहा था।

गुजरात में फिर आएगा कांग्रेस का राज

» कांग्रेस अधिवेशन में गरजे मल्लिकार्जुन खरगे

» हम गुजरात में जरूर बनाएंगे सरकार

» बीजेपी की उड़ी नींद हलचल तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन में मल्लिकार्जुन खरगे ने वक्फ संशोधन बिल-2025 पर बात की और उन्होंने कहा कि इस सरकार ने वक्फ बिल पास किया है। मैं मुस्लिम और ईसाई भाई-बहनों से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी हरदम आपके के लिए खड़ी है। हम आपके लिए संसद में लड़े. इंडिया गठबंधन ने वक्फ के मुद्दे पर जोर पकड़ा और सब एक हो गए।

इंडिया गठबंधन को जोर देना है और एक होकर आगे बढ़ना है। केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वक्फ कानून से मुसलमानों की प्रॉपर्टी हड़पने का काम हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वक्फ बोर्ड में नॉन मुस्लिम नहीं होना चाहिए। किसी मंदिर में मुस्लिम नहीं होता है। हम आज भी यही चाहते हैं कि सरकार वक्फ बिल वापस ले। इंदिरा गांधी ने देश की एकता के लिए 32 गोलियां खाई राजीव गांधी ने देश के लिए प्राण दिए. हम गरीबों का साथ देंगे। फिर चाहें वो किसी भी जाति या धर्म का हो आने वाले समय में हम गुजरात में सरकार जरूर बनाएंगे।

आदिवासी भारत के मूलनिवासी : खरगे

उन्होंने कहा कि बीजेपी-आरएसएस वाले हमारे आदिवासियों को वनवासी कहकर बुलाते हैं। अरे, वो तो इस देश के मूलनिवासी हैं। वो इस देश के लोग हैं। वो पहले से यहीं पैदा हुए। यहीं के हैं वो. आदिवासियों को वनवासी कहकर उनकी पहचान. और अस्मिता के ऊपर ही प्रश्न चिह्न लगाया जा रहा है..... आदिवासियों के जल जंगल जमीन के संरक्षण के लिए कांग्रेस की सरकारों ने अलग-अलग समय पर कानून बनाए। पीईएसए, फॉरेस्ट राइट्स एक्ट , लैंड एक्विजिशन एक्ट जैसे कानूनों को कमजोर किया जा रहा है।

जातिगत जनगणना पर एनडीए सरकार मौन

वहीं जनगणना चार साल से लंबित है। हमने जातिगत जनगणना की मांग की सरकार उस पर मौन है। सारा सरकारी काम अभी 2011 के जनगणना आंकड़ों पर चल रहा है। इससे 14 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और बाकी योजनाओं के फायदे नहीं ले पा रहे हैं देश में जो झूठ फैलाया जा रहा है। उसका सच हमें सामने लाना चाहिए बीजेपी के लोग कहते हैं कि बाबा साहेब अंबेडकर को कांग्रेस ने हराया ये बिल्कुल झूठ है हमें तथ्यों को सामने लाना चाहिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

काले कानूनों पर रोक लगना चाहिए!

विश्व गुरु बनने की बात करने वाला भारत में एक ऐसा कानून भी है जो संसद को अनदेखी कर सकता है। इस तरह के काले कानून पर रोक लगना चाहिए। इस कानून की धारा 3 सबसे खतरनाक है। यह केंद्र सरकार को अधिकार देती है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे आधारों पर किसी विदेशी को देश में आने या रहने से रोक सकती है। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती। इसमें एक खुला प्रावधान है कि सरकार बाद में अपने मन से कोई भी नया कारण जोड़ सकती है, बिना संसद की मंजूरी और बिना किसी जवाबदेही के। क्या यह लोकतंत्र है, जहां एक सरकारी आदेश हमारी संसद को ही दरकिनार कर दे? असली झटका तो वह धारा है, जिसमें कहा गया है कि एक आव्रजन अधिकारी का फैसला अंतिम होगा। कोई अपील या दलील नहीं। सोचिए, एक अधिकारी की मर्जी से किसी का पासपोर्ट, उसकी पहचान, उसका भविष्य खत्म हो सकता है। क्या हम ऐसा भारत चाहते हैं, जहां एक सिपाही सुपर कमिश्नर बन जाए? धारा 3 (3) इस डर को और बढ़ाती है।

यह कहती है कि आव्रजन अधिकारी किसी विदेशी से कभी भी, कहीं भी उसके दस्तावेज या कोई भी जानकारी मांग सकता है। 'जरूरी' क्या है, यह वही तय करेगा। क्या यह उत्पीडन् की खुली छूट नहीं? यह कानून हमारे संविधान की आत्मा पर हमला है। अनुच्छेद 14 और 21 समानता और जीवन व स्वतंत्रता का अधिकार देते हैं, लेकिन इस कानून में विदेशी ऐसे दिखाए गए हैं, जैसे उनके कोई अधिकार ही नहीं हों। गोपनीयता, जो अनुच्छेद 21 का हिस्सा है, को यह पूरी तरह नष्ट कर देता है। धारा 8, 9 और 10 मकान मालिकों, स्कूल-कॉलेजों और अस्पतालों को विदेशियों की हर तरह की सूचना जुटाने के लिए कहती हैं। अगर कोई विदेशी विद्यार्थी पढ़ाई के लिए आता है या कोई पर्यटक बीमार पड़ता है तो उनकी हर जानकारी सरकार तक पहुंचेगी। क्या हम मेहमानों को ऐसा डर देना चाहते हैं? हमारी अदालतें पहले भी मनमानी के खिलाफ खड़ी हुई हैं। अगर आज हम विदेशियों के अधिकार छीनने की इजाजत दे देंगे तो कल यही तंत्र हमारे अपने लोगों को निशाना बना सकता है। आज यह पर्यटकों या विद्यार्थियों पर नजर रखता है, कल यह हमारी आजादी पर पहरा बिठा सकता है। हमारी वैश्विक छवि भी दांव पर है। क्या हम चाहते हैं कि दुनिया हमें एक ऐसे देश के रूप में देखे, जो मेहमानों को दुश्मन समझता है? विश्व गुरु बनने का सपना तब टूट जाएगा, जब हम अपनी मेहमाननवाजी को भूल जाएंगे। यह अधिनियम सुरक्षा की आड़ में अराजकता लाएगा। हमें इसे सुधारना होगा, न केवल विदेशियों के लिए, बल्कि अपने लोकतंत्र की रक्षा के लिए। हमारा भारत वह देश है, जो सभी को गले लगाता है, न कि उन्हें डराता है।

"क्या यह लोकतंत्र है, जहां एक सरकारी आदेश हमारी संसद को ही दरकिनार कर दे? असली झटका तो वह धारा है, जिसमें कहा गया है कि एक आव्रजन अधिकारी का फैसला अंतिम होगा। कोई अपील या दलील नहीं। सोचिए, एक अधिकारी की मर्जी से किसी का पासपोर्ट, उसकी पहचान, उसका भविष्य खत्म हो सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आत्मनिर्भरता की तरफ ठोस कदम बढ़ाए भारत

सुरेश सेठ

डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालते समय वादा किया था कि वे विश्व में शांति के प्रतीक बनेंगे। उन्होंने इस्राइल-हमास संघर्ष को समाप्त कराने और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मित्रवत संबंधों के आधार पर रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बात कही थी। लेकिन धरातल में ये संभव न हुआ। अब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, आर्थिक मोर्चे पर भी लड़े जा रहे हैं। देश और नेता, जो मूलत: व्यापारी मानसिकता रखते हैं, अब टैरिफ के ज़रिए एक-दूसरे को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इस आर्थिक युद्ध में जनता की आजीविका, देश की अर्थव्यवस्था और व्यापारिक स्थिरता बुरी तरह प्रभावित होती है। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने कार्यकाल में दर्जनों देशों के खिलाफ टैरिफ वॉर की शुरुआत की। इन देशों पर अमेरिका ने 10 से 50 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाया। इस नीति का असर केवल वैश्विक व्यापार पर ही नहीं, बल्कि मंदी, बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता के रूप में साफ दिखने लगा है।

अमेरिका ने भारत से आने वाले उत्पादों पर भी शुल्क लगाकर स्पष्ट कर दिया कि वह अब अपनी 'उदार' नीतियों में बदलाव लाएगा। नतीजतन भारत में महंगाई बढ़ेगी, शेयर बाजार गिरे, और आर्थिक योजनाएं प्रभावित हुईं। भारत, जो अमेरिका से जो उत्पाद आयात करता है, अब मूल्य और कर दोनों के दबाव में है। यदि अमेरिका इन वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाता है, तो भारतीय बाजार में महंगाई बढ़ेगी। आरबीआई की मौद्रिक नीतियां भी अस्थिरता से प्रभावित हो रही हैं। अमेरिका का कहना है कि भारत और अन्य देश अपने निर्यात पर अत्यधिक शुल्क लगाते हैं, इसलिए वह भी जवाबी शुल्कों की एक श्रृंखला लागू करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका इस कदम को अपने लिए 'मुक्ति दिवस' के रूप में देख रहा है, जबकि उसकी आम जनता इस नीति से पूरी तरह सहमत नहीं है। अमेरिका का मानना है कि समय आ गया है जब उसे अपनी अब तक की उदार व्यापार नीतियों में बदलाव करना चाहिए।

इस नीति का सीधा प्रभाव भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जहां घरेलू उत्पादन पर दबाव बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा में गिरावट आ सकती है। यदि अन्य देश भी जवाबी टैरिफ वॉर शुरू कर देते हैं, तो यह न केवल अमेरिका बल्कि भारत जैसे विकासशील देशों के आम नागरिकों के हितों को भी नुकसान

पहुंचा सकता है। चाहे अमेरिका का उद्देश्य यही है कि इतना अधिक शुल्क लगाने वाले देशों को भी मजबूरन अपना शुल्क कम करना पड़े परन्तु दुनिया के पिछड़े देशों और भारत के लिए भी अमेरिका अभी तक आशा की एक किरण रहा है। वह इन देशों से जितना माल खरीदता है, उससे कम सामान बेचता है। इन पिछड़े देशों का ऊंचा टैक्स भार उठाते हुए और उन्हें उदार कर देते हुए वह हमेशा घाटे का सौदा करता है। भारत लंबे समय से अमेरिका पर व्यापारिक सहयोग के लिए निर्भर रहा है, लेकिन अब अमेरिका पहले जैसी उदारता दिखाने को तैयार नहीं है। वह अपने यहां आने वाले उत्पादों पर ऊंची टैरिफ दरें लगाकर वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में भारत के सामने दो ही विकल्प हैं एक, अमेरिका के साथ एक विस्तृत द्विपक्षीय व्यापार समझौता कर लिया जाए; दूसरा, टैरिफ युद्ध से डरकर अपने निर्यात उत्पादों पर शुल्क कम कर दिया जाए, ताकि यह करों की लड़ाई बेलगाम न हो जाए। परंतु अमेरिका से टैरिफ युद्ध लड़ना भारत जैसे आयात-आधारित अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए बेहद कठिन है। हमारे यहां जिन वस्तुओं का आयात होता है, उनकी मांग इतनी लचीली है कि यदि उनकी आपूर्ति में बाधा आए तो देश का उत्पादन और निवेश प्रभावित हो सकता है। ट्रम्प की इन आक्रामक नीतियों से आर्थिक अस्थिरता और भी बढ़ गई है। इसका समाधान यह नहीं कि भारत अपनी टैरिफ दरें घटाकर अपने ही उत्पादकों और निवेशकों को नुकसान की स्थिति में पहुंचा दे। कृषि क्षेत्र में तो स्थिति और भी जटिल है— भारत अपने कृषि उत्पादों का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा रियायती दरों पर गरीबों में वितरित करता है। ऐसे में यदि इन्हीं उत्पादों को ऊंची दरों पर अमेरिका को निर्यात किया जाएगा, तो घरेलू कीमतों को संतुलित रखना मुश्किल हो जाएगा।

भारत ने इसका एक संभावित समाधान खोजा है— व्यापार की दिशा का वैविध्यकरण और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते। हालांकि, अमेरिका की ओर से लगातार अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकियां भारत की नीतिगत स्थिरता को प्रभावित करती हैं। इसलिए अब भारत को यह ठान लेना चाहिए कि वह आयात-निर्भर आर्थिक ढांचे से बाहर निकले और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए।

पाकिस्तान की खामोशी से उठती आवाजें

ज्योति मल्होत्रा

'पाकिस्तान को मुंबई में हुए आतंकी हमले का सामना करना ही पड़ेगा, जिसकी योजना उसकी धरती पर बनी। इसके लिए उसे सच्चाई का सामना करने की ज़रूरत है। सुरक्षा तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लंबे समय से लंबित इस जघन्य आतंकी हमले के अपराधियों और मास्टरमाइंड को न्याय के कठघरे में खड़ा जाए।' अगर आप सोचते हैं कि क्या पाक एक नया अध्याय शुरू करेगा और उसने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों को अंजाम देने वालों के बारे में ईमानदारी बरतने का फैसला ले लिया है-खास तौर पर तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किए जाने की प्रतिक्रिया स्वरूप-तो एक बार फिर से सोचें। यह पैराग्राफ 3 अगस्त, 2015 को पाकिस्तान के अखबार 'डॉन' में तारिक खोसा द्वारा लिखे गए लेख से लिया गया है, जोकि पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी के पूर्व मुखिया हैं और उन्होंने 2009 में मुंबई आतंकी कांड की जांच की थी।

खोसा ने लेख लिखते समय शायद सच की घुट्टी पी रखी होगी! ठीक उसी प्रकार, जब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 2018 में 'डॉन' को दिए एक साक्षात्कार में कुबूल किया था 'आतंकवादी संगठन (अभी भी) सक्रिय हैं' और सवाल उठाया था कि क्या पाक को उन्हें 'सीमा पार करके मुंबई में 150 लोगों को मारने की अनुमति देनी चाहिए थी'? इतना भर कहने पर नवाज़ पर देशद्रोह का केस जड़ दिया गया था। अहम यह कि दोनों लेख अभी भी डॉन की वेबसाइट पर पढ़े जा सकते हैं - महत्वपूर्ण इसलिए कि यदि पिछले कुछ दिनों आपने पाकिस्तानी अखबार देखे हों,तो आपको यह सोचने के लिए माफ कर दिया जाएगा कि कहीं आप किसी और देश के समाचारपत्र तो नहीं पढ़ रहे। पाक मूल के कनाडाई नागरिक राणा के बारे में एक शब्द तक नहीं है, जो 2008 के मुंबई हमलों के दो प्रमुख षड्यंत्रकारियों में से एक है, जिसे हाल ही में भारत प्रत्यर्पित किया गया है। एक भी शब्द नहीं।

शहबाज़ शरीफ सरकार बलूचिस्तान के मसले से जिस तरह निपट रही है, उस पर आलोचनात्मक लेख? हां है। पाकिस्तान सुपर लीग पर संपादकीय? हां है। अर्थव्यवस्था पर निराशाजनक टिप्पणी? हां है। लेकिन राणा की वापसी पर, और विस्तार से मुंबई हमलों पर, जब पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रशिक्षित 10 पाकिस्तानी कराची से मुंबई के लिए भेजे गए, और उन्होंने नवंबर 2008 में लगभग तीन दिनों तक भारत के वित्तीय केंद्र को बंधक बनाए रखा - एक शब्द तक नहीं, पूरा वाक्य तो दूर की बात है। आपको हैरानी नहीं हो रही, जानते हैं कि क्यों। एक ओर, पाक सरकार ने अपने दरवाजे खोल दिए और पाकिस्तान के लोगों ने अपने दिल - और 6,500 सिख तीर्थयात्रियों को वीजा दिए, ताकि वे ननकाना साहिब, पंजा साहिब, करतारपुर साहिब और अन्य गुरुद्वारों में बैसाखी मना सकें। दूसरी ओर, 17 लंबे सालों से, निर्वाचित सरकारों और अपनी जनता को बंधक बनाकर रखने वाले पाक सैन्य प्रतिष्ठान ने न केवल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार पर, बल्कि पूरे मीडिया पर भी कड़ा शिकंजा कस रखा है - ताकि मुंबई के भयावह कांड पर प्रकाशक की कलम से निकलकर एक भी शब्द पन्ने पर छप न पाए। और इसलिए इस कांड में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के सह-संस्थापक हाफिज सईद से शुरू करके जकी-उर-रहमान लखवी तक के तमाम साजिशकर्ता खबरों से गायब हैं। शिकागो जेल में बंद दूसरे मास्टरमाइंड डेविड हेडली का भी कोई जिक्र नहीं है। मेजर इकबाल हो या साजिद मीर या अब्दुल रहमान, हाशिम सैयद या फिर इलियास कश्मीरी, इनपर भी कोई बात नहीं है - सभी के खिलाफ एनआईए ने आरोप पत्र दायर कर रखा है और वे आज भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। मुंबई के उन दिनों और रातों की यादें पाक पर कफन की तरह मंडरा रही हैं। आमतौर पर तेवर रखने वाला पाकिस्तानी मीडिया, वह जो अतीत में अयूब खान से लेकर टिक्का खान तक के तानाशाहों और निरंकुश शासकों के सामने डटा रहा - जब पत्रकारों को पीटा गया, जेल में डाला गया, प्रताड़ित किया गया, उनके परिजनों को धमकाया गया- ऐसा लगता है कि अब उनका मुंह बंद हो चुका है, वे थक चुके हैं, बुढ़ा गए हैं। हो सकता है उन्होंने होंठ इसलिए सिल रखे हों कि उन्हें नई सुबह का इंतजार हो शायद मुंबई के बारे में कुछ ऐसा है, जिसने चुप्पी का लिहाफ ओढ़े रखना सुनिश्चित कर रखा है। नवाज़ शरीफ को देशद्रोह का केस झेलने के अलावा, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जनरल महमूद दुर्रानी को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी थी, जब उन्होंने 2009 में स्वीकारा कि कसाब एक पाक नागरिक है। केवल खोसा बचे रहे।

इसी बीच, पाक सेना की नजर-ए-इनायत इमरान खान से हटकर नवाज के छोटे भाई शहबाज और नवाज शरीफ की बेटी मरियम, जोकि पंजाब की मुख्यमंत्री हैं, की तरफ हो गई है। पाक के आधे अभिजात्य वर्ग के पास दोहरे पासपोर्ट हैं, लिहाजा उनका एक पांव पसिश्चम में रहता है, और हालात प्रतिकूल होते ही वहां खिसक लेते हैं। अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। चीन का साया और गहराता एवं पुख्ता होता जा रहा है। तथापि खोसा के 2015 के लेख के हर शब्द की गूंज बनी हुई है। न तो वे कभी अपनी इस कथनी से पीछे हटे,न ही डॉन, भले ही इन दोनों ने अब चुप्पी साधी हो। खोसा ने उस लेख में मुंबई कांड के सूत्रधारों पर फेडरल एजेंसी की जांच में कहा, 'सर्वप्रथम, कसाब एक पाक नागरिक है, जिसके घर, प्रारंभिक स्कूल व आतंकी संगठन से जुड़ने का जांचकर्ताओं ने पता लगा लिया था।

गर्मी में इन हिल स्टेशनों का उठाएं लुत्फ

मार्च के महीने से गर्मी शुरू हो जाती है और जून तक गर्मी का मौसम रहता है। ऐसे मौसम में सूरज की गर्मी अपने चरम पर होती है? इस चिलचिलाती धूप से बचने का हर कोई कुछ न कुछ तरीका निकला रहता है। कोई गर्मी से बचने के लिए घर से बाहर निकला पसंद नहीं करता है तो कोई ऐसे मौसम में घूमने का प्लान बनाता है। तो अगर आप का घूमने प्लान है तो आप किसी पहाड़ी और ठंडी जगह घूमने जा सकते है। भारत इस मामले में खुशनसीब है कि यहां पहाड़, जंगल से लेकर समुद्री जगह सब कुछ है। जो आपको नई ऊंचाइयों तक ले जाने और सुकून देने के लिए तैयार होता है। अगर आप इस गर्मी में एक शानदार ट्रिप प्लान करने की सोच रहे हैं, तो ये बेहतरीन डेस्टिनेशन आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल होनी चाहिए।

मनाली

मनाली, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई खूबसूरत ट्रैकिंग रूट्स हैं, जिनमें हम्टा पास ट्रैक, खीरगंगा ट्रैक, मनाली ब्यास कुंड ट्रैक, चंद्रखेरनी ट्रैक और चंद्रताल-बारालाचा ट्रैक शामिल हैं। यहां आपको बर्फ से ढकी चोटियों का दिलकश नजारा देखने को मिलेगा। आप रोहतांग पास और सोलांग वैली में स्नो एक्टिविटीज (स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग) भी कर सकते हैं। साथ ही हिडिंबा देवी मंदिर की आध्यात्मिक शांति का अनुभव ले सकते हैं। आप मनु मंदिर की ऐतिहासिक सैर भी कर सकते हैं। ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए मनाली एक आदर्श स्थल है, लेकिन इन ट्रैक रूट्स पर जाना जोखिमपूर्ण हो सकता है।

शिमला

अगर आपको पहाड़ों की ठंडी हवा और हरियाली से प्यार है, तो इन हिल स्टेशन पर जाना आपके लिए स्वर्ग जैसा अनुभव होगा। यहां का खुशनुमा मौसम और हरी-भरी वादियां होती है। यहां आप माल रोड पर शाम की वॉक और लोकल शॉपिंग कर सकते हैं। यही नहीं, आप जाखू मंदिर में हनुमान जी के दर्शन भी कर सकते हैं। साथ ही आप कुफरी में एडल्ट्स और बच्चों के लिए एडवेंचर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं।

गोवा

अगर आपको लहरों की आवाज और रेत पर चलने का सुकून पसंद है, तो ये बीच डेस्टिनेशन आपके लिए परफेक्ट हैं। आप बीच पर सनसेट और पार्टी वाइब्स का एक्सपीरियंस ले सकते हैं। साथ ही स्कूबा डाइविंग, पैरासेलिंग और जेट स्की जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हैं। आप पुराने चर्च और फोर्ट्स की सैर भी कर सकते हैं। बेनौलिम और पालोलेम बीच पर रिलैक्स करने का अलग ही मजा है।

दार्जिलिंग

भीषण गर्मी और उमस में घूमने लायक केवल बर्फीली जगह ही नहीं होती है। भारत के कई ऐसे राज्य हैं जो गर्मी में आपको राहत दे सकते हैं। यह जगह दार्जिलिंग है, जिसे पहाड़ों की रानी के रूप में भी जाना जाता है। यहां आप टाइगर हिल से सूर्योदय का अद्भुत नजारा ले सकते हैं। टॉय ट्रेन की रोमांचक सवारी भी कर सकते हैं। यहां आप चाय के बागानों में घूमते हुए ताजी चाय का स्वाद ले सकते हैं। साथ ही दार्जिलिंग की मोमोज और थुकपा को जरूर ट्राई कर सकते हैं। यह खाने में काफी स्वादिष्ट होता है।

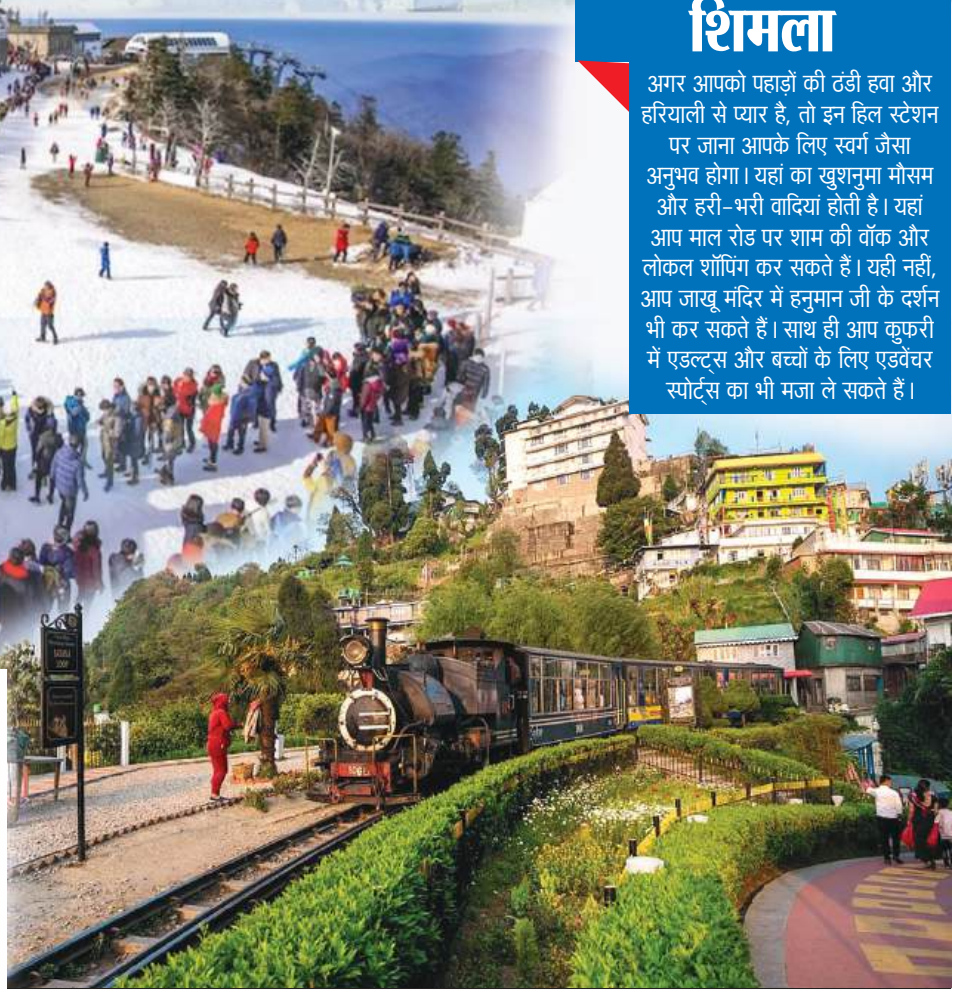

हंसना मना है

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बुढ़िया को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला... भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं? भिखारी - हां हैं मां जी, बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

पति बोला- अभी सुबह न जाने किसका मुंह देखकर उठा था कि दिन का भोजन नसीब नहीं हुआ? पति ने शिकायत की। पत्नी बोली-मेरी मानो, बेडरूम में लगे आइने को हटा दो, वरना रोजाना यही शिकायत रहेगी।

एक बुढा बस में सीट पर अकेला बैठा था। तभी एक बुढ़िया आई और उसके बगल में बैठ गयी! कुछ देर बाद बुढ़िया बूढ़े से बोली- अरे अंकल जी कहां जा रहे हो। लेकिन जवाब न देकर बुढा चुप बैठा रहा। बुढ़िया फिर बोली- अंकल जी कहा जा रहे हो? अब बुढ़े से चुप नहीं रहा गया और बोला- बेटी तू बहुत सुन्दर है, जवान है, तेरे खातिर लड़का देखने जा रहा हूं।

कहानी | लालची लकड़हारा

सोहनपुर गांव में रामलाल नाम का एक लकड़हारा रहता था। वो अपनी जीविका के लिए जंगल से रोज लकड़ियां चुनता और उन्हें बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। इसी तरह उसका गुजारा चल रहा था। कुछ दिनों के बाद रामलाल की शादी हो गई। उसकी पत्नी बड़ी खर्चीली थी। इसलिए, अब उतनी लकड़ियों को बेचकर घर चलाना मुश्किल हो गया था। रामलाल अपनी पत्नी से बहुत प्यार करता था, इसलिए उसकी नाराजगी वो बर्दाश्त नहीं कर पाता था। रामलाल ने ठान लिया कि वो अब ज्यादा लकड़ियां इकट्ठा करके बेचेगा, ताकि उसकी पत्नी को रोज-रोज पैसों की कमी न हो। पत्नी की इच्छा पूरी करने के लिए आज रामलाल घने जंगल तक चला गया और बहुत सारी लकड़ियां चुनकर बाज़ार में बेच दीं। रामलाल ने सारे पैसे अपनी पत्नी को दे दिए। देखते-ही-देखते उसके मन में लालच इतना बढ़ गया कि उसने धीरे-धीरे पेड़ काटना भी शुरू कर दिया। पेड़ काटने से और ज्यादा लकड़ियां हो जाती थीं और उसे अधिक दाम मिलने लगे। धीरे-धीरे रामलाल ने पैसों को जुए में लगाना शुरू कर दिया। जुआ खेलने की लत ऐसी लगी कि रामलाल एक मोटी रकम इसमें हार गया। अब इस रकम को चुकाने के लिए रामलाल ने एक-दो मोटे-मोटे पेड़ काटने का फैसला लिया। जैसे ही रामलाल ने जंगल में जाकर अपनी कुल्हाड़ी को एक बड़े से पेड़ पर चलाने की कोशिश की, तो उसपर पेड़ की टहनी ने हमला कर दिया। रामलाल चौंक गया। फिर उसे पेड़ की एक टहनी ने लपेट लिया। रामलाल कुछ समझ नहीं पाया कि यह सब क्या हो रहा है। तभी पेड़ से आवाज आई। मूर्ख, तू अपने लालच के चक्कर में मुझे काट रहा है। तू सारे पैसे जुए में लुटा देता है और फिर पैसे लौटाने के लिए पेड़ काटने आ जाता है। तुझे पता है कि पेड़ कितने कीमती होते हैं। हमारे अंदर भी जान बसती है और हम तुम इंसानों को जीने के लिए हवा, धूप में छाया, और भूख को शांत करने के लिए फल देते हैं। लेकिन, तू अपने स्वार्थ के लिए हमें ही काट रहा है। पेड़ ने कहा, आज तू रूक, यही कुल्हाड़ी मैं अब तेरे ऊपर चलाऊंगी। पेड़ की टहनी कुल्हाड़ी से रामलाल पर वार करने ही वाली थी कि वह गिड़गिड़ाने लगा। उसने माफी मांगते हुए कहा, मुझसे गलती हुई है, लेकिन मुझे सुधरने का एक मौका दो। अगर आप मुझे मार दोगे, तो मेरी पत्नी का क्या होगा? वो अकेली पड़ जाएगी। आज से मैं किसी पेड़ को नहीं काटूंगा, यह प्रण लेता हूं। यह सब सुनकर पेड़ को रामलाल के ऊपर दया आ गई। उसने रामलाल को छोड़ दिया। छूटते ही रामलाल भागकर अपने घर गया और पैसों के लालच में न आने का संकल्प ले लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ

धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

मिथुन

वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क

वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी।

सिंह

स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कन्या

किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला

आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक

आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। निवेश से लाभ होगा।

धनु

जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे।

मकर

कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कुम्भ

आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान महसूस होगी।

मीन

यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बचपन में मैं मिस्टर इंडिया देखे बिना खाना नहीं खाता था : अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर ने हाल ही में अपने बचपन की एक पसंदीदा फिल्म को लेकर मजेदार खुलासा किया है। उन्होंने हाल ही में साझा किया कि एक फिल्म थी, जिसे वह इतना पसंद करते थे कि बिना देखे खाना तक नहीं खाते थे। अर्जुन ने इस फिल्म से जुड़ी अपनी यादें ताजा कीं और बताया कि यह उनके लिए कितनी खास है। आइए जानते हैं कि वह कौन सी फिल्म है और अर्जुन का उससे क्या कनेक्शन है। अर्जुन जिस फिल्म की बात कर रहे थे वह थी साल 1987 में आई मिस्टर इंडिया। इसे देखकर अर्जुन आज भी हैरान हो जाते हैं कि उस जमाने में इतने शानदार स्पेशल इफेक्ट्स कैसे बनाए गए। उस समय भारतीय सिनेमा में विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) का ज्यादा चलन नहीं था, लेकिन इस फिल्म ने कमाल कर दिखाया। अर्जुन ने कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने ऐसा कैसे किया। फिर भी, सब कुछ इतना साफ और शानदार दिखता है। शायद तब फिल्म बनाने में धैर्य होता था। फिल्म के पीछे की मेहनत भी कम नहीं थी। बातचीत के दौरान अर्जुन ने अपने पिता और फिल्म के प्रोड्यूसर बोनी कपूर से सुनी एक बात भी बताई। उन्होंने कहा, यह उस समय की बहुत महंगी फिल्म थी। मेरे पिता ने मुझे बताया था कि मोगैम्बो के डेन के लिए आरके स्टूडियो की तीन मंजिलें बुक की गई थीं। अर्जुन के लिए मिस्टर इंडिया सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि उनके बचपन का हिस्सा थी। उन्होंने हंसते हुए बताया, मैंने मिस्टर इंडिया को वीएचएस पर इतना देखा कि वीएचएस प्लेयर ही खराब हो गया। मैंने यह फिल्म देखे बिना खाना तक नहीं खाता था। मुझे लगता था कि अनिल चाचू सच में मिस्टर इंडिया हैं और वो गायब हो जाते हैं। अर्जुन को फिल्म की हर बात पसंद है, लेकिन एक सीन ऐसा है, जिसे वह आज भी नहीं देख पाते। फिल्म में एक मासूम बच्चे की मौत का सीन उन्हें बहुत दुखी कर देता है। उन्होंने कहा, मैं वो सीन नहीं देख पाता। मैं हमेशा उसे तेजी से आगे बढ़ा देता हूं। आज भी मेरी आंखें भर आती हैं।

इंसान मोहब्बत की डेट फिक्स कर सकता है, भूतनी के आने का नहीं

संजय दत्त की फिल्म द भूतनी की रिलीज डेट बदली

हॉरर एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'द भूतनी' के निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट बदलने का फैसला किया है। संजय दत्त की इस फिल्म को अब 1 मई को रिलीज किया जाएगा। फिल्म के वीएफएक्स पर काम चल रहा है और निर्माता दर्शकों को बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।

द भूतनी की नई रिलीज डेट शेयर करते हुए निर्माताओं ने बताया, इंसान मोहब्बत की डेट फिक्स कर सकता है, भूतनी के आने की नहीं... वो कब आएगी, कैसे आएगी, ये सिर्फ वही जानती है। लगा था कि 18 अप्रैल को आएगी, लेकिन अब 1 मई को आ रही है, तैयार रहना।

प्रतिक्रिया मिली है। संजय दत्त के अलावा, द भूतनी में मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी, बियॉनिक और आसिफ खान भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'द भूतनी' को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म जी स्टूडियो के साथ 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अगर भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज होती, तो इसकी सीधी टक्कर अक्षय कुमार की 'केसरी चैप्टर 2' से होती। हाल ही में, फिल्म में युवा संजय दत्त का किरदार निभाने वाले नवनीत मलिक ने अपनी भूमिका की तैयारी के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताया।

नवनीत मलिक ने बताया कि, संजय दत्त जैसे महान अभिनेता के साथ काम करना वाकई खुशी की बात है। फिल्म में मैं खुद संजय दत्त का किरदार निभा रहा हूं, लेकिन मैं अभी पूरी कहानी या अपने किरदार के बारे में ज्यादा नहीं बताऊंगा। मैं चाहता हूं कि सभी थिएटर में फिल्म देखें और फिर हम इस पर बात कर सकते हैं।

हॉलीवुड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनीं प्रियंका चोपड़ा

जैक एफ्रॉन के साथ आएंगी नजर

प्रियंका चोपड़ा का नाम एक और हॉलीवुड फिल्म से जुड़ गया है। वह निकोलस स्टोलर की आगामी कॉमेडी प्रोजेक्ट में 'बेवॉच' के को-स्टार जैक एफ्रॉन के साथ फिर से जुड़ रही हैं। आगामी फिल्म में माइकल पेना और विल फेरेल भी हैं।

हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, फिल्म में रेजिना हॉल, जिमी टैट्रो और बिली आइचनर भी हैं। निकोलस अपनी खुद की स्क्रिप्ट से फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ, वह अपनी हालिया फीचर फिल्म 'यू आर कॉर्डियली इनवाइटेड' में सहयोग करने वाले स्टूडियो के साथ फिर से जुड़ रहे हैं।

आगामी कॉमेडी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और माइकल की भूमिकाओं को लेकर कोई जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिल्म से जुड़े विवरण अभी भी गुप्त रखे गए हैं। वहीं, प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कास्टिंग अनाउंसमेंट की एक झलक शेयर करके इस प्रोजेक्ट में अपनी भागीदारी की पुष्टि भी की, जिसने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है।

प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंटट की बात करें तो वह निर्देशक एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में ओडिशा के कोरापुट में शूटिंग शेड्यूल पूरा किया है। इस फिल्म में महेश बाबू भी हैं। राजामौली के पिता, लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने 'एसएसएमबी 29' की कहानी लिखी है और कहा जाता है कि यह इंडियाना जोन्स की तरह ही एक एक्शन-एडवेंचर है। इसके अलावा प्रियंका के पास इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ 'हेड्स ऑफ स्टेट' है। वह 'द ब्लफ' में में भी नजर आएंगी। वहीं, प्रियंका के पास वेब सीरीज 'सिटाडेल 2' भी है।

अजब-गजब | जापान सरकार कैदियों पर देती है विशेष ध्यान

जापान की जेलों में कैदियों को वैसा खाना दिया जाता है जिसे खाने के लिए भारत में लोग महंगे होटलों में जाते हैं

दुनिया के हर देश में जेल बनाए गए हैं। वैसे लोग जो अपराधी प्रवृति के होते हैं और पकड़े जाते हैं, उन्हें पकड़कर जेल भेजा जाता है। जेल का मकसद होता है ऐसे अपराधियों को आम लोगो से अलग करके रखना। इसके पीछे दो वजह है। पहली कि ये और अपराध कर दूसरों को नुकसान ना पहुंचाए और दूसरा कि इन्हें सुधरने का मौका मिले। जेल में अपराधियों की सुधार पर काम किया जाता है। भारत के जेलों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है।

भारत की जेलों में बड़े-बड़े बैरकों में कई कैदियों को रखा जाता है। जो खूंखार अपराधी होते हैं उन्हें अंधेरे कमरे में अकेले रखा जाता है, जिसमें टॉयलेट भी वहीं होता है। मच्छर, गंदगी और कई तरह की मुश्किलों में कैदियों को रहना पड़ता है। लेकिन दुनिया के ऐसे कई देश हैं, जहां के जेल फाइव स्टार होटल से कम नहीं होते। इन जेलों में कैदियों को कई तरह की सुविधाएं दी जाती है। कहीं उन्हें एक आरामदायक बेड वाला कमरा दिया जाता है तो कहीं उन्हें अपनी फैमिली के साथ जेल में रहने का मौका दिया जाता है। इस बीच जापान के जेल में कैदियों को दिए जाने वाले खाने का

वीडियो सामने आया। इसे देखकर कई लोगों का जेल में ही बस जाने का मन हो जाएगा।

भारत की जेलों में मिलने वाले खाने में सादगी देखने को मिलती है। यहां कैदियों को पोषक खाना तो मिलता है लेकिन बहुत ही सादा। इसमें दाल, चावल, सब्जी आदि शामिल है। सुबह और शाम चाय-बिस्किट का इंतजाम होता है। लेकिन जब लोगों ने जापान के जेलों में कैदियों को मिलने वाले खाने का वीडियो देखा तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ। यहां की जेलों में कैदियों को वैसा खाना दिया जाता है, जिसे खाने के लिए भारत में लोग महंगे होटलों में जाते हैं। इस खाने की प्रिपरेशन से लेकर उसकी पैकेजिंग तक बेहतरीन ढंग से की जाती है।

जेल में मिलने वाले खाने को पहले तो अलग-अलग पकाया जाता है। उसके बाद खाने को एक बॉक्स में अच्छे से पैक किया जाता है। हर डिश को बराबर मात्रा में बांटा जाता है। इसमें हर तरह के मैक्रोन्यूट्रिएंट का ध्यान दिया जाता है। सुबह-सबह ही खाने की तैयारी शुरू हो जाती है। सबसे पहले कुक की चेकिंग होती है और उसकी सफाई की जांच होती है। इसके बाद उन्हें किचन में एंट्री दी जाती है। मेन्यू की बात करें तो इसमें फ्राईड चिकन कटलेट भी शामिल है जिसे हर दिन फ्रेश बनाया जाता है। ताजा तेल में चिकन को क्रिस्पी होने तक फ्राई किया जाता है। इसके बाद चावल की तैयारी की जाती है। चावलों को अच्छे से सॉस में पकाया जाता है ताकि उसका बेहतरीन फ्लेवर सामने आए। चावल भी उच्च क्वालिटी के होते हैं। सब्जियों की बात करें तो इसमें ताजा सब्जियां शामिल है, जिसमें ब्रोकली से लेकर हरी सब्जियां शामिल है। सब्जियों को कटिंग बोर्ड पर ही काटा जाता है। इसके बाद सारी चीजों को एक प्लेट में सर्व कर हर कैदी के बीच पैक कर बांटा जाता है।

ओडिशा से महाराष्ट्र तक 3500 किमी. तैरकर पहुंचा कछुआ, दिए 107 बच्चे!

नवी मुंबई/पुणे। महाराष्ट्र से एक अनोखी खबर सामने आई है। एक ऑलिव रिडले कछुए ने इतिहास रच दिया है। यह कछुआ ओडिशा से महाराष्ट्र की कोंकण तट तक तैरकर आया और कुल मिलाकर उसने 3,500 किलोमीटर की दूरी तय की। दरअसल, ये मामला रत्नागिरी के गुहागर बीच से सामने आया है। वहीं, इस कछुए ने 120 अंडे दिए। इनमें से 107 अंडों से बच्चे निकले हैं। यह घटना 2025 की है, लेकिन अब इसका खुलासा हुआ है। इस कछुए को 2021 में ओडिशा के गहीरमाथा बीच पर टैग किया गया था। इसका टैग नंबर था '03233'। बता दें कि उस समय जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों ने 12,000 कछुए टैग किए थे। वैज्ञानिकों को उम्मीद थी कि कछुए श्रीलंका की ओर लौटेंगे, लेकिन '03233' नंबर वाला कछुआ अरब सागर की ओर निकल पड़ा। वह सीधे रत्नागिरी के समुद्र किनारे तक आ पहुंचा। बता दें कि यह अपने आप में पहली घटना है। वैज्ञानिक डॉ. बसुदेव त्रिपाठी ने इसे बहुत खास बताया। उनका कहना है कि इससे पुराने शोधों को चुनौती मिली है। पहले माना जाता था कि पूर्व और पश्चिम तट के कछुए अलग प्रजातियां हैं, लेकिन अब लगता है कि दोनों तट आपस में जुड़े हो सकते हैं। वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के डॉ. सुरेश कुमार ने भी राय दी। उन्होंने कहा कि यह कछुआ दोहरी प्रजनन रणनीति अपना रहा होगा। शायद पहले ओडिशा में अंडे दिए होंगे। फिर महाराष्ट्र आकर फिर से अंडे दिए। इस खोज ने वैज्ञानिकों की सोच को बदल दिया है। अब वे मानते हैं कि ऑलिव रिडले कछुए लंबी दूरी तक जा सकते हैं। इसलिए दोनों तटों पर इनके घोंसलों की रक्षा जरूरी है। वैज्ञानिक अभी भी इस खास कछुए पर नजर बनाए हुए हैं। आगे और जानकारी जुटाने की कोशिश जारी है।

ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट पर दिल्ली में गरमाई सियासत

रेखा सरकार ने सर्टिफिकेट बनाने पर लगाई रोक

» भारद्वाज बोले- ये फैसला आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के खिलाफ

प्राइवेट स्कूलों व अस्पतालों को फायदा पहुंचाने की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के सर्टिफिकेट बनाने पर रोक लगा दी गई है। इस फैसले को लेकर सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में उपराज्यपाल व केंद्र सरकार के इशारे पर ऐसे फैसले लिए जा रहे हैं, जो सीधे-सीधे गरीब विरोधी हैं। ये फैसला ऐसे समय लिया गया है जब स्कूलों व कॉलेजों में दाखिलों का दौर शुरू है। हजारों गरीब छात्र ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत दाखिला लेना चाहते हैं।

सौरभ भारद्वाज ने सवाल उठाया कि जब सर्टिफिकेट ही नहीं बनेंगे तो कोई गरीब यह कैसे प्रमाणित करेगा कि वह आर्थिक रूप से कमजोर है। अस्पतालों में आरक्षित बेड, स्कूलों में कोटा, नौकरियों में प्राथमिकता ये सभी सुविधाएं तभी मिलती हैं जब ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट होता है। उन्होंने कहा कि अगर सर्टिफिकेट जारी करने में कोई गड़बड़ी हुई थी तो क्या इसके लिए जिम्मेदारअधिकारियों पर कोई कार्रवाई हुई? न तो किसी एसडीएम को सस्पेंड किया गया और न ही कोई जांच हुई, लेकिन आम जनता को सजा दी जा रही है। यह न केवल असंवेदनशीलता है बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का मजाक है। भारद्वाज ने दावा किया कि यह पूरा कदम निजी स्कूलों व अस्पतालों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। दिल्ली की भाजपा सरकार की नीयत साफ नहीं है। गरीबों को सिस्टम से बाहर करके निजी संस्थानों को छूट दी जा रही है। इससे साफ है कि यह फैसला आम जनता के खिलाफ व कॉरपोरेट हित में लिया गया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस फैसले के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेगी, गरीबों के हक को हर हाल में सुरक्षित रखेगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाते हुए तुरंत बहाल करे।

दिल्ली सरकार धांधली के नाम पर कर रही छल : देवेन्द्र यादव

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की दिल्ली सरकार द्वारा धांधली के नाम पर ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट बनने पर रोक लगाना, सीधा गरीब छात्रों से शिक्षा छीनने का कदम है। अगर कहीं धांधली है तो उसकी शिक्षा विभाग पूर्णतः जांच कर सकता है। ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट बनने पर रोक लगाने का कांग्रेस पुरजोर विरोध करती है, क्योंकि भाजपा का यह फैसला गरीब विरोधी है। रेखा सरकार एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण खत्म करना चाहती है, जबकि इन वर्गों के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप और इनके बेहतर शिक्षा के बजट में कटौती करके भाजपा सरकार ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने देश सहित दिल्ली में भी अपना पूंजीपति संरक्षण नियम लागू करना शुरू कर दिया है।

अयोध्या सहित छह जिलों के डीएम बदले

» 16 आईएएस अधिकारियों का तबादला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने अयोध्या और अमेठी समेत छह जिलों के डीएम को बदल दिया है। कुल 16 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। अयोध्या के डीएम चंद्र विजय सिंह को विशेष सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। चंदौली के डीएम निखिल टीकाराम फुंडे को उनके स्थान पर अयोध्या का डीएम बनाकर भेजा गया है। अमेठी की डीएम निशा को मिशन निदेशक, राष्ट्रीय आयुष मिशन के पद पर तैनाती दी गई है। इटावा के डीएम अवनीश कुमार राय को बदायूं का डीएम बनाया गया है। कन्नौज के डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल को इसी पद पर इटावा भेजा गया है। मुख्यमंत्री के विशेष सचिव और अपर निदेशक राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद आशुतोष मोहन अग्निहोत्री को कन्नौज का जिलाधिकारी बनाया गया है।

बदायूं की डीएम निधि श्रीवास्तव को विशेष सचिव, उच्च शिक्षा के पद पर तैनाती मिली है। प्रयागराज के नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग को चंदौली का जिलाधिकारी बनाया गया है। जौनपुर के सीडीओ सीलम साईं तेजा को प्रयागराज के नगर आयुक्त की जिम्मेदारी मिली है। गोरखपुर की संयुक्त मजिस्ट्रेट मृणाली अविनाश जोशी को जौनपुर का सीडीओ बनाया गया है। सहारनपुर के नगर आयुक्त संजय चौहान को अमेठी का डीएम बनाया गया है। विशेष सचिव, उच्च शिक्षा विभाग शिपू गिरी को नगर आयुक्त सहारनपुर, मिशन निदेशक राष्ट्रीय आयुष मिशन महेंद्र वर्मा को सचिव उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनायमक प्राधिकरण (रेरा), मुजफ्फरनगर सीडीओ संदीप भागिया को अपर आयुक्त, राज्यकर गौतमबुद्धनगर, मेरठ के संयुक्त मजिस्ट्रेट कंडारकर कमलकिशोर देशभूषण को मुजफ्फरनगर का सीडीओ और प्रतीक्षारत चल रहे राजकुमार प्रथम को विशेष सचिव, उर्जा विभाग के पद पर तैनाती दी गई है।

दिल्ली-राजस्थान की होगी वापसी करने पर नजर

» अक्षर की टीम को अभी तक सिर्फ एक मैच में करना पड़ा है हार का सामना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर वापसी करने के इरादे से उतरेंगे। राजस्थान ने जहां अब तक मिलाजुला प्रदर्शन किया है, वहीं दिल्ली की इस सत्र की यह पहली ही हार थी। लगातार चार मैच जीतने के बाद अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली टीम को रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस ने हराया था। इस हार के बाद दिल्ली शीर्ष स्थान से खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गई थी।

राजस्थान रॉयल्स को जयपुर में खेले गए मैच में आरसीबी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। राजस्थान ने इस मैच में धीमी बल्लेबाजी की थी और यशस्वी जायसवाल को छोड़कर उसका अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका था।

वहीं, गेंदबाजों का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा था। मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली के करुण नायर ने डेब्यू करते हुए 40 गेंद में 89 रन बनाए थे। करुण नायर की उम्दा पारी के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि दिल्ली उन्हें प्लेइंग-11 में मौका देगी या इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उनका इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं दिल्ली के लिए एक बार फिर सफलता की कुंजी स्पिनर साबित हो सकते हैं।

पंजाब ने आईपीएल में सबसे कम लक्ष्य का किया बचाव

मुल्लांपुर। स्पिनर युजवेंद्र चहल की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से पंजाब किंग्स ने केकेआर को 16 रनों से हराया। पंजाब ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में 111 रन बनाए, लेकिन जवाब में केकेआर की पूरी टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गई। पंजाब ने इस तरह आईपीएल इतिहास में सबसे कम लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव कर लिया। पंजाब ने इस मामले में सीएसके के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। सीएसके ने डरबन में 2009 में पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में सबसे कम लक्ष्य का बचाव किया था। उस वक्त सीएसके ने 117 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया था। पंजाब की टीम आठ विकेट पर 92 रन ही बना पाई थी।

'कांग्रेस के बढ़ते जनाधार से भाजपा परेशान'

» नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के एक्शन से कमलनाथ ने बीजेपी को घेरा

» राजनीतिक रंजिश के कारण भाजपा बदले की कार्रवाई पर उतरी : जीतू पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्य प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के एक्शन पर सरकार पर निशाना साधा हैं। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि देश में कांग्रेस पार्टी का बढ़ता जनाधार और राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर इस तरह के अलोकतांत्रिक हमले किए जा रहे हैं।

कमलनाथ ने कहा कि राजनैतिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग केस में पहली चार्जशीट दाखिल की है। जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। इस मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। वहीं जीतू पटवारी ने कहा कि राजनीतिक रंजिश के कारण भाजपा अब बदले की कार्रवाई पर उतर आई है इसलिए, त्याग की प्रतिमूर्ति आदरणीया सोनिया गांधी जी और जननायक राहुल गांधी के खिलाफ ईडी ने चार्ज शीट दायर की है।

राजनैतिक उत्पीड़न की कार्रवाई

एमपी के पूर्व सीएम कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि प्रवर्तन निदेशालय इडी द्वारा नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को जब्त करना और सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करना राजनैतिक उत्पीड़न की कार्रवाई है।'उन्होंने आगे लिखा कि देश की जनता और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ मजबूती के साथ खड़े है। देश में कांग्रेस पार्टी का बढ़ता जनाधार और राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर इस तरह के अलोकतान्त्रिक हमले किए जा रहे हैं। कांग्रेस हर स्तर पर इस अत्याचार का मुकाबला करेगी।

उर्दू विदेशी भाषा नहीं, इसी धरती पर जन्मी: सुप्रीम कोर्ट

» साइन बोर्ड पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की एक नगर परिषद के साइन बोर्ड पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज दिया। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा- भाषा कोई धर्म नहीं है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। साथ ही उर्दू गंगा-जमुनी तहजीब या हिंदुस्तानी तहजीब का बेहतरीन नमूना है।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ महाराष्ट्र के अकोला जिले के पातुर की पूर्व पार्षद वर्षाताई संजय बागड़े की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बागड़े ने नगर परिषद के साइनबोर्ड पर मराठी के साथ-साथ उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती दी थी। उन्होंने तर्क दिया था कि नगर परिषद का काम केवल मराठी में ही किया जा सकता है और साइन बोर्ड पर भी उर्दू का इस्तेमाल जायज नहीं है।

बंगाल में वक्फ पर हिंसा, मचा सियासी बवाल

भाजपा व टीएमसी में आरोप-प्रत्यारोप, सीएम ममता बनर्जी बोलीं- बीजेपी बिगाड़ रही राज्य का माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में वक्फ बिल के विरोध में हुई हिंसा के बाद राज्य के सियासत में भूचाल बाया हुआ। सत्ता पर काबिज टीएमसी व विपक्षी पार्टी भाजपा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहें हैं। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा पर राज्य का माहौल का बिगाड़ने का आरोप लगाया है।

उधर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीते दिनों मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के बाद राज्य के इमामों से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि वह हर धर्म का एक ही तरह से सम्मान करती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि बंगाल को लेकर झूठी खबरें फैलाई जाती हैं, अपने संबोधन के दौरान ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जहां पर हिंसा हुई वह कांग्रेस की सीट है। हमारे कार्यकर्ताओं पर भी हमला हुआ। टीएमसी के दफ्तर पर भी हमला किया गया। एक समय तो हमारे कार्यकर्ताओं को भी अपना घर छोड़ना पड़ा। ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी के गुंडे बंगाल मे धुसकर परेशान करमा चाहते हैं। सीएम ममता ने कहा कि बीजेपी का प्लैन है कि बाहर से गुंडे लाकर हिंसा करने का, उनका प्लैन पहले था रामनवमी के दिन करने का, आप लोगों को सैल्यूट है आपने नहीं होने दिया, हर समाज में कुछ गद्दार होते हैं जो रुपये लेकर उसी डाल को काटते हैं जिसपर बैठे हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि कोई गुस्सा न होइये, चुप रहिये, मेरे नाम से जिंदाबाद भी न कहें, संविधान जिंदाबाद कहिये.ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो शांति रहेगी, तो हम सब अच्छे से रहेंगे। बंगाल में बीजेपी ध्रुवीकरण करना चाहती है अगर वह सफल हो गई तो आपका खाना भी बंद कर देगी।

हिंसा के लिए जिम्मेदार केंद्र सरकार

गृह मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि कि हिंसा में बांग्लादेश का हाथ है। अगर हाथ है तो इसकी जिम्मेदार केंद्र की है। बीएसएफ बॉर्डर संभालता है, हम नहीं संभालते हैं। आपने क्यों इजाजत दी। क्यों बीजेपी का आदमी बाहर से आकर गड़बड़ करके भाग गया, जवाब देना पड़ेगा। हिंसा के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बाहर से आए लोगों ने गड़बड़ की। बीजेपी कहती है हम हिंदू का है, हम हिंदू का है और कोई धर्म का नहीं है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों जिस तरह का दंगा हुआ वो एक योजना के तहत की गई घटना है. दंगे की सुनियोजित साजिश हुई है. आज इस देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बीजेपी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि ये बीजेपी की नहीं भारत का संविधान है।

वक्फ प्रॉपर्टी में हिंदू भी रहते हैं

ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी वालों अच्छे से सुन लो, वक्फ प्रॉपर्टी में हिंदू लोग भी रहते हैं, आप चाहते हैं कि राज्य वक्फ बोर्ड टूट जाए, उसका पावर आप लेना चाहते हैं और कितना पावर चाहिए आपको।

लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें सीएम : सुकांत मजूमदार

पश्चिम बंगाल की भाजपा इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने हिंदुओं की मदद के लिए मालदा में स्थित भाजपा के कार्यालय में नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद प्रशासन पूरी तरह से विफल हुआ है। सुकांत मजूमदार ने सोमवार को मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज इलाके से भागकर मालदा जिले के वैष्णव नगर में स्थित परलालपुर हाई स्कूल में शरण लिए हुए लोगों से बात की। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे उनके साथ हैं।

नायडू और नीतीश पर भी भड़कीं

देखिए चंद्रबाबू नायडू चुपचाप बैठा है। आप लोग तो उनको भी वोट देते हैं, देना चाहि, मैं तो ऐतराज नहीं करती हूं, नीतीश बाबू चुपचाप बैठे हैं। पूरा सपोर्ट देते हैं, बीजेपी थोड़ा पावर दे देगी। पावर के लिए दिल और खून भी दोगे क्या। क्या आपको उनको वोट देना चाहिए। संविधान बदलने के बाद ही ये बिल ला सकते है, दो तिहाई बहुमत से पास होना था ये लेकिन सिर्फ बहुमत से पास हुआ है।

प्रताप बाजवा की गिरफ्तारी पर रोक

हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने याचिका पर पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही अगली सुनवाई तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई है। बाजवा को इस केस के बारे में प्रेस स्टेटमेंट जारी करने पर भी हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है।

पंजाब सरकार को नोटिस जारी

जवा ने उनके बयान को लेकर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। बाजवा ने आरोप लगाया कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। उन्होंने कहा था कि 50 बम पंजाब पहुंच चुके हैं, जिसके गलत मायने निकाले जा रहे हैं।बाजवा ने दावा किया कि पंजाब की खुफिया पुलिस का इस मामले में दुरुपयोग हुआ है। बाजवा ने कहा कि उन्होंने राज्य पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे और उसे निक्कमा कहा था। इसकी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री भगवंत मान पर आती है, जो गृह विभाग भी संभालते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने इस आलोचना को व्यक्तिगत हमला मानते हुए राजनीतिक बदले की भावना से उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। याचिका में यह भी कहा गया है कि याची नेता प्रतिपक्ष के रूप में कैबिनेट मंत्री के दर्जे पर हैं और आम आदमी पार्टी सरकार की नीतियों तथा कानून व्यवस्था पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं।

» ईडी दफ्तर में आज फिर सवालों से किया सामना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा लैंड स्कैम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) लगातार दूसरे दिन भी रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ कर रही। मंगलवार को उनसे 6 घंटे तक पूछताछ हुई थी। आज एक बार फिर से वह पूछताछ के लिए ईडी दफ्तर पहुंचे।

ईडी की पूछताछ में शामिल होने से पहले रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि मैं कोई सॉफ्ट टारगेट नहीं हूं, ऐसे हमलों से हम और मजबूत होते है। साथ ही वाड्रा ने कहा कि जो आज मैं झेल रहा हूं ये उनको भी झेलना होगा। मैं ईडी के हर सवाल का जवाब दूंगा। हम वो लोग हैं जो हमेशा सच्चाई के लिए लड़ते हैं, ये तो सिर्फ समय की बात है, ये जरूर बदलेगा। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि हम किसी से नहीं डरते।

लगातार दूसरे दिन ईडी कर रही पूछताछ

मंगलवार को ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा से 6 घंटे तक पूछताछ की थी। इस कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा था कि जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है और उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। बता दें कि यह पूरा मामला साल 2018 का है। तौरू के रहने वाले सुरेंद्र शर्मा की शिकायत पर 1 सितंबर 2018 को गुरुग्राम के खेरकी दौला थाने में यह केस दर्ज किया गया था।

हम सच्चाई के लिए लड़ते रहेंगे

हम लोगों के लिए लड़ते रहेंगे चाहे राहुल गांधी को संसद में रोका जाए या मुझे बाहर रोका जाए। हम सच्चाई के लिए लड़ते रहेंगे। बता दें कि हरियाणा लैंड स्कैम मामले में पूछताछ के लिए रॉबर्ट वाड्रा आज लगातार दूसरे दिन ईडी दफ्तर पहुंचे हैं। आज उनके साथ पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं।

बायोगैस प्लांट की स्थापना की तैयारी तेज

नगर निगम और जेबीएम कंपनी के संयुक्त प्रयास से स्वच्छ ऊर्जा की ओर कदम

» अमौसी में नगर निगम की पहल पर लगने जा रहा बायोगैस प्लांट

» पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को मिलेगा नया आयाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वच्छता और सतत ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर निगम द्वारा अमौसी ग्राम, तहसील सरोजनी नगर में 7.5 एकड़ भूमि पर बायोगैस प्लांट की स्थापना हेतु जेबीएम कंपनी को जमीन उपलब्ध कराई गई है। इस अत्याधुनिक बायोगैस प्लांट में नगर निगम के विभिन्न स्रोतों से आने वाले ऑर्गेनिक वेस्ट का उपयोग कर स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन किया जाएगा।

कान्हा गौशाला समेत नगर निगम द्वारा संचालित प्रमुख गौशालाओं से निकलने वाले गोबर वेस्ट के साथ ही मंडियों से प्राप्त होने वाले वेजिटेबल वेस्ट को इस प्लांट तक पहुंचाकर बायोगैस उत्पादन किया जाएगा। यह प्लांट न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को भी नई दिशा देगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमि पूजन राज्यपाल महोदया द्वारा शीघ्र ही प्रस्तावित है, जिससे लखनऊ शहर के सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है।

मण्डलायुक्त ने किया स्थलीय निरीक्षण

इस परियोजना को शीघ्र गति प्रदान करने के उद्देश्य से आज मण्डलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने स्थलीय निरीक्षण किया तथा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जेबीएम कंपनी के प्रतिनिधियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर उन्होंने विभिन्न निर्देश भी दिए। मण्डलायुक्त ने अवगत कराया कि पूर्व में इस भूमि पर कुछ विवाद था, किन्तु टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत यह भूमि सदन में पारित हो चुकी है और अब जेबीएम कंपनी के अधिकार में है।

अवैध कब्जा हटाने पहुंची नगर निगम की टीम पर लाठी डंडो से हमला

» लालजी टंडन वार्ड में दबंगों ने बना लिया था पक्का टैंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लालजी टंडन वार्ड में नगर निगम की जमीन पर कब्जा कर पक्का निर्माण कार्य करा दिया गया था। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुँच काम को काम रुकवा दिया। नगर निगम ने बताया कि कब्जे से जमीन को मुक्त करा लिया गया है।

पार्षद प्रतिनिधि पुष्पेन्द्र

नगर निगम टीम को बुधवार को लोगों से शिकायत मिली कि उक्त सरकारी जमीन पर दबंगो ने पक्का टैंक का निर्माण कार्य कर लिया है। दुबग्गा इलाके में बुधवार को पहुँची नगर निगम टीम और लालजी टंडन वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि पुष्पेन्द्र पर लाठी डंडो से हमला बोल दिया । दुबग्गा कोतवाली पर नगर निगम टीम और पार्षद प्रतिनिधि मौजूद ।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।